**मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं**

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

## केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

**दिनांकः 25 जनवरी 2019**

## जोधपुर

**जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

| मौसमी तत्व / दिनांक | 26/01/19 | 27/01/19 | 28/01/19 | 29/01/19 | 30/01/19 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 19 | 19 | 20 | 20 | 21 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 7 | 6 | 5 | 5 | 5 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 78 | 75 | 72 | 68 | 65 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 18 | 13 | 15 | 15 | 13 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 12 | 10 | 10 | 7 | 10 |
| हवा की दिशा | उत्तर–पूर्व | उत्तर–पूर्व | उत्तर–उत्तर–पूर्व | पूर्व | पूर्व–दक्षिण–पूर्व |

**मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः**

| फसल | अवस्था | सलाह |
|---|---|---|
| | | रात्री में तापमान कम होने के कारण फसलों व सब्जियों में शाम के समय हल्की सिंचाई करें। |
| जीरा | | जीरे की फसल में छाछ्या एंव झुलसा रोगों का एक साथ नियंत्रण करने के लिए जाइनेब 68 प्रतिशत + हेक्जाकोनाजोल 4 प्रतिशत के बने हुए मिश्रण का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। |
| ईसबगोल | | ईसबगोल की फसल में छाछ्या रोग का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु 25 किलो गंधक चूर्ण का प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें। |
| मैथी | | मैथी की फसल में तुलासिता रोग का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर में मिलाकर छिडकाव करें। |
| पशु | | दुधारु एवं नवजात पशुओं को शीत लहर से बचाने के समुचित प्रबन्ध करें। रात्रि में पशु घर के द्वार पर टाटी या जूट की बोरी लगा कर रखें तथा दुधारु एवं नवजात पशु की पीठ के चारों ओर जूट की बोरी बांधे । |

(नौडल ऑफीसर)